एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

कार्तिक कृष्ण पक्ष, सप्तमी,
मंगलवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

19 नवंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

सेवा करने में धन्यता का अनुभव हिन्दू दर्शन है : डॉ. कृष्णगोपाल

हिसार

संत ईश्वर फाउंडेशन ने राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से "संत ईश्वर सम्मान 2019" का आयोजन रविवार को दिल्ली में किया। संत ईश्वर सम्मान में विभिन्न क्षेत्रों में सेवारत संस्थाओं व महानुभावों को सम्मानित किया गया। जिसमें विशेष सेवा सम्मान सियाचिन ब्रिग्रेड, भारतीय सेना को दिया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल एवं विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रहलाद सिंह पटेल रहे। डॉ. कृष्णगोपाल जी ने कहा कि दुनिया का बड़े से बड़ा विद्वान और विश्वविद्यालय ऐसी कल्पना भी नहीं कर सकता जो भारत का व्यक्ति कल्पना कर सकता है।

सामने खड़ा कोई व्यक्ति अगर संकट में है और तुम्हें यदि लगता है कि वह संकट में नहीं है तो तुम हिन्दू कहलाने के योग्य नहीं हो। हिन्दू कहलाना कि मैं हिन्दू हूं। यह कोई फैशन नहीं है। हिन्दू कहते ही हमारे मन के भाव आध्यात्मिक हो जाने चाहिएं, मन करुणा से, संवेदना से भर जाना चाहिए। जो कुछ भी है, वह परमात्मा का है, यह भाव आना चाहिए। जिसको आवश्यकता है, उस आवश्यकता को देखकर, उसको परमात्मा के स्वरूप में स्वीकार कर उसकी सेवा करने में धन्यता का अनुभव करना यह भारत का हिन्दू दर्शन है।

राम मंदिर के लिए 33 एकड़ भूमि का और अधिग्रहण किए जाने की तैयारी

श्री राम जन्मभूमि परिसर 100 एकड़ भूमि पर विकसित किए जाने की बात, अभी 67.77 एकड़ भूमि है

अयोध्या

रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण को लेकर प्रतिदिन नई जानकारी सामने आती है। अभी अयोध्या में राम जन्मभूमि के आसपास के निवासियों को लिए चर्चा है कि नए राम मंदिर के के लिए 33 एकड़ भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। यह सुनकर उनके मन में थोड़ी घबराहट है लेकिन वे वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने पर इसके लिए तैयार हैं। अयोध्या में चर्चा है कि नया राम मंदिर सौ एकड़ भूमि में आकार लेगा। यह परिसर अभी 67.77 एकड़ का है।

राम मंदिर मामले में निर्णय आने के बाद ही केंद्र सरकार के स्तर से शासकीय न्यास के गठन की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। इसके साथ ही रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का ताना-बाना बुना जाने लगा है। इसी क्रम में और 33 एकड़ भूमि की और आवश्यकता बताई जा रही है, ताकि रामजन्मभूमि पर बनने वाला मंदिर सौ एकड़ से अधिक में हो। इन तैयारियों के बीच परिसर के इर्द-गिर्द रहने वाले लोग थोड़े चिंतित हैं।

राम जन्मभूमि के पास ही सोनू सिंह की दुकान के सामने से अयोध्या-फैजाबाद मुख्य मार्ग गुजरता है और ठीक उत्तर अधिगृहीत परिसर तथा परिसर का मार्ग है। अधिगृहण विस्तार की स्थिति में जिन लोगों की जमीन लिए जाने का अनुमान है, उनमें सोनू सिंह जैसे लोग पहले होंगे। सोनू को रामजन्मभूमि मुक्ति की अपार खुशी है पर निकट भविष्य में वे अपनी दुकान छोड़ने की कल्पना से ही सहम जाते हैं। हालांकि अगले पल संभल कर कहते हैं कि अधिग्रहण तब होगा, जब लोगों को

समुचित मुआवजा के साथ उनका रोजगार और पुनर्वास सुनिश्चित कराया जाए।

अयोध्या नगर निगम के जिस रामकोट वार्ड में रामजन्मभूमि स्थित है, उस वार्ड के पार्षद रमेशदास के अनुसार मंदिर के लिए 33 एकड़ और भूमि की उपलब्धता असंभव नहीं है पर इस प्रयास में रामजन्मभूमि से लगे उन मंदिरों को कायम रखने का ध्यान भी रखना होगा, जो प्राचीन-पौराणिक महत्व के हैं। ऐसे मंदिरों को छोड़कर भी आसपास के अहिराना, कजियाना, पांजी टोला आदि मुहल्लों से अपेक्षित भूमि सुलभ हो सकती है और इस क्षेत्र के लोग समुचित मुआवजा पाकर किसी उचित जगह पर खुशी-खुशी नए सिरे से अपना घर बना सकते हैं। इसमें उन्हें परेशानी नहीं है।

मंदिर निर्माण तक स्वर्ण मंदिर में विराजेंगे रामलला

अयोध्या प्रकरण में पक्षकार रहे रामालय न्याय ट्रस्ट के सचिव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि मंदिर बनने में दो या चार साल जो भी समय लगेगा, तब तक रामलला के लिए स्वर्ण मंदिर में बैठाने की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि उन्होंने कहा कि नया ट्रस्ट बनाने के स्थान पर पुराने ट्रस्ट को ही मंदिर का काम सौंपा जाना चाहिए। इस तरह की मांग राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपालदास तथा राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे विनय कटियार भी कह रहे हैं। लेकिन सरकार नए ट्रस्ट के गठन की तैयारी कर रही है।

कोठारी बंधु की स्मृति में भवन बनवाने की अपील लेकर सीएम से मिली बहन पूर्णिमा

लखनऊ

राम मंदिर आंदोलन के दौरान कई आम जनों की उल्लेखनीय रही, इनमें से कईयों को हम जानते हैं और कईयों के तो हमें नाम भी नहीं पता हैं। इनमें से कई लोगों को तो नाम, पद और प्रसिद्धि भी मिला। कई ऐसे भी थे, जिन्हें अपने प्राणोत्सर्ग के बाद महज सहानुभूति ही मिल पायी। उनके नाम और बलिदान का जिक्र कभी कभी ही हो पाता है।

ऐसे ही पश्चिम बंगाल कोलकाता के दो युवाओं कोठारी बंधु ने भी राम मंदिर आन्दोलन में गोलीकांड दौरान अपने प्राण न्यौछावर कर दिये, जिन्हें राम जन्मभूमि आंदोलन में हमेशा याद किया जाता है।

अब दोनों भाईयों को बलिदान को कालांतर में उन्हें उनका यथेष्ट स्थान दिलाने के लिये दिवंगत कोठारी बंधुओं की बहन ने मुहिम शुरू की है। राम नगरी में पनपे राम मंदिर आंदोलन में शहीद कोठारी बन्धुओं की बहन पूर्णिमा कोठारी ने प्रेस क्लब अयोध्या नगरी के अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग लखनऊ पर की भेंट की। पूर्णिमा कोठारी ने शीघ्र बनने वाले राममंदिर परिसर में, आरम्भिक आन्दोलन के दौरान मुलायम सिंह द्वारा चलवाई गयी गोली में शहीद हुए बलिदानी कोठारी बन्धु राम कुमार और शरद कुमार कोठारी की याद में स्मृति भवन बनाने की मांग की। जिसपर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें इसके लिये आश्वासन भी दिया है। गौरतलब है कि रामभक्त के रूप में कोलकाता से कारसेवा करने अयोध्या आये कोठरी बंधु 2 नवंबर 1990 को गोलीकांड में कई अन्य के साथ शहीद हो गये थे। तब से लेकर अब तक इन दोनों भाईयों की स्मृति में अयोध्या में कुछ नहीं बनाया गया है। अब बहन पूर्णिमाम की इच्छा है कि राम मंदिर परिसर में कम से कम एक भवन उनके नाम का भी हो।